



Essay on Indian Judiciary

Key Points

1. Introduction

- 1) The Indian Judicial System is one of the oldest legal systems in the world today.
- 2) The Indian Judiciary plays an important role in safeguarding the fundamental rights of citizens which includes providing fair and time bound justice.
- 3) Integrity, Impartiality and Intelligence are some of the important characteristics of Indian judiciary
- 4) Supreme Court is the custodian of the Constitution.

2. Body

- 1) Supreme Court is the apex court in India followed by High court, District court and lower courts
- 2) Judicial activism - Judiciary has given some remarkable decisions like – right to privacy, national anthem, Liquor Ban near Highways, (Triple Talaq, hold on Aadhar linking, Changes in SC/ST Act), reforms in BCCI etc.
- 3) There are 2.18 crore cases pending in India's district and lower courts – Justice delayed is justice denied.
- 4) Judges and staffs are under immense pressure. Shortage of prosecutors, judges and courts. Shortage of 5000 judges in lower courts.
- 5) More than 22 million people are under trial in India. Delay creates frustration and results in loss of confidence among the general mass.
- 6) Rift within SC is a serious issue for the integrity of judiciary system.
- 7) India's courts are clogged with long-pending cases. In recent years cases of bribery, acceptance of facilities and perks are serious issues.
- 8) Govt should allow the wheels of justice to move faster. Appointment of judges should be done regularly and efficiently.

3. Conclusion

- 1) Needless to emphasize that judiciary is a vital organ of any democratic setup, responsible to provide fair and expeditious justice to all.
- 2) Many structural reforms are required to improve the working standard of the judiciary. With more focus on technology (Digital India) we can make the system more transparent.
- 3) Judiciary and legislative should work together to strengthen the justice system in India and gain the confidence of masses who rely on Judiciary.

भारतीय न्यायपालिका पर निबंध

1. Introduction

- 1) भारतीय न्यायिक प्रणाली आज की दुनिया में सबसे पुरानी कानूनी प्रणाली है।
- 2) भारतीय न्यायपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जिसमें उचित और समयबद्ध न्याय प्रदान करना शामिल है।
- 3) ईमानदारी, निष्पक्षता और बुद्धिमत्ता भारतीय न्यायपालिका की महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं
- 4) सर्वोच्च न्यायालय संविधान का संरक्षक है।

2. Body

- 1) सर्वोच्च न्यायालय भारत में उच्चतम न्यायालय है, उसके बाद उच्च न्यायालय, जिला अदालत और निचली अदालतों का स्थान है
- 2) न्यायिक सक्रियता - न्यायपालिका ने कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों जैसे - गोपनीयता, राष्ट्रीय गान, राजमार्ग के पास शराब बंदी , (ट्रिपल तालक, आधार जोड़ने, एससी / एसटी अधिनियम में परिवर्तन, बीसीसीआई आदि में सुधार) का अधिकार दिया है।

- 3) भारत के जिले और निचली अदालतों में 2.18 करोड़ मामले लंबित हैं
- 4) न्यायाधीश और कर्मचारी भारी दबाव में हैं। अभियोजकों, जजों और अदालतों की कमी, निचली अदालतों में 5000 न्यायाधीशों की कमी।
- 5) 22 मिलियन से ज्यादा लोग भारत में मुकदमा चला रहे हैं। देरी निराशा पैदा करती है और सामान्य जन के बीच आत्मविश्वास की हानि पैदा करती है।
- 6) न्यायिक व्यवस्था की अखंडता के लिए सर्वोच्च न्यायालय के भीतर दरार एक गंभीर मुद्दा है।
- 7) भारत के न्यायालय लंबे समय से लंबित मामलों से भरा हुआ है। हाल के वर्षों में रिश्वत के मामलों, सुविधाओं और भत्तों की स्वीकृति गंभीर समस्याएं हैं।
- 8) न्यायाधीशों की नियुक्ति नियमित रूप से और कुशलता से की जानी चाहिए।

3. Conclusion

- 1) न्यायपालिका किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो सभी के लिए उचित और शीघ्र न्याय प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।
- 2) न्यायपालिका के कार्य मानक को सुधारने के लिए कई संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है।
- 3) प्रौद्योगिकी (डिजिटल इंडिया) पर अधिक ध्यान देने के साथ हम सिस्टम को अधिक पारदर्शी बना सकते हैं।
- 4) न्याय और विधायी को भारत में न्याय प्रणाली को मजबूत बनाने और न्यायपालिका पर भरोसा रखने वाले जनता का विश्वास हासिल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।